आखिरी सफर चौहानी मुक्तिधाम में बारिश बनी अपनों की बिदाई का दर्द, जर्जर शेडों के बीच भीगते रहे परिजन

टपकती छत के नीचे हो रही अंतिम विदाई

नवभारत जबलपुर। जीवन भर अपने परिवार के लिए संघर्ष करने वाला व्यक्ति जब इस दुनिया से विदा होता है तो उसकी अंतिम यात्रा सम्मान और गरिमा के साथ पूरी होनी चाहिए। लेकिन संस्कारधानी जबलपुर के गढ़ा मार्ग स्थित चौहानी मुक्तिधाम की तस्वीरें इस संवेदना को झकझोर देती हैं। यहां बारिश के बीच अंतिम संस्कार करना किसी परीक्षा से कम नहीं रह गया है। जर्जर और टपकते शेडों के नीचे शोक में डूबे परिवार अपने प्रियजन को अंतिम विदाई देने को मजबूर हैं, जबकि नगर निगम और जनप्रतिनिधियों के विकास के दावे इन बदहाल हालात के सामने बौने नजर आते हैं।

बारिश में जर्जर, टपकते शेड के नीचे अंतिम संस्कार

वास्तविकता यह है की मुक्तिधाम के अधिकांश शेड वर्षों से जर्जर हैं। कई जगह उनकी चादरें उड़ चुकी हैं तो कहीं लोहे के ढांचे जंग खाकर टूटने की कगार पर हैं। बारिश होते ही पूरा परिसर टपकने लगता है। ऐसे में अंतिम संस्कार की पूरी प्रक्रिया बारिश और अव्यवस्था के बीच पूरी करनी पड़ती है। शोकाकुल परिवारों के लिए बैठने तक की सुरक्षित व्यवस्था नहीं है। जो कुर्सियां हैं, उनके ऊपर छाया नहीं है। यह स्थिति हर उस व्यक्ति के मन में सवाल खड़ा करती है कि क्या किसी नागरिक को अंतिम विदाई के समय भी सम्मानजनक व्यवस्था नसीब नहीं होगी? विडंबना यह है की मुक्तिधाम जैसे अत्यंत संवेदनशील स्थल पर पीने के पानी की भी स्थायी व्यवस्था नहीं है। अंतिम संस्कार में आने वाले लोगों को अपने साथ पानी की बोतलें लानी पड़ती हैं। वर्षों से स्थानीय लोग इन समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित करते आ रहे हैं, लेकिन जिम्मेदारों के कानों पर जूं तक नहीं रेंगी। सबसे बड़ा सवाल यह है कि चुनाव के समय हर गली-मोहल्ले में विकास के वादे करने वाले जनप्रतिनिधियों की नजर क्या कभी इस मुक्तिधाम तक नहीं पहुंची? करोड़ों रुपये के विकास कार्यों के दावे करने वाला नगर निगम क्या इस स्थान की बदहाली से अनजान है, या फिर जानबूझकर आंखें मूंदे हुए है? ज़ाहिर है अंतिम संस्कार किसी परिवार के जीवन का सबसे पीड़ादायक क्षण होता है। उस समय यदि परिजनों को बारिश, टूटे शेड और मूलभूत सुविधाओं के अभाव से भी जूझना पड़े, तो यह केवल अव्यवस्था नहीं बल्कि व्यवस्था की संवेदनहीनता का जीवंत उदाहरण है।

इनका कहना है

चौहानी मुक्तिधाम की बदहाल स्थिति स्वीकार करते हुए क्षेत्रीय पार्षद ने कहा की मुक्तिधाम के जीर्णोद्धार का मुद्दा वह चार बार नगर निगम परिषद की बैठक में उठा चुके हैं। उनके अनुसार अब इस कार्य का टेंडर जारी हो चुका है और वर्क ऑर्डर मिलते ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

राहुल साहू
पार्षद
स्वामी वीरेन्द्र पुरी वार्ड

चौहानी मुक्तिधाम की जर्जर स्थिति की जानकारी है। इसके जीर्णोद्धार के लिए लगभग 10 लाख रुपये का टेंडर जारी किया जा चुका है। प्रक्रिया अंतिम चरण में है। वर्क ऑर्डर जारी होते ही निर्माण कार्य शुरू करा दिया जाएगा।

वीरेंद्र पाण्डेय
संभागीय यंत्री
नगर निगम

अतिक्रमणकारी चिन्हित कर ठंडे बस्तें में डाल दिया मामला

जनहित याचिका में आरोप, नोटिस जारी, अखबारों में प्रकाशन के निर्देश

जबलपुर। कटनी जिले के विजयराघवगढ़ क्षेत्र में काबिज अतिक्रमणकारियों को पूर्व आदेश के तहत चिन्हित कर मामले को ठंडे बस्तें में डाले जाने का आरोप लगाने वाले मामले को हाईकोर्ट ने गंभीरता से लिया। एक्टिंग चीफ जस्टिस विवेक रूसिया व जस्टिस प्रदीप मित्तल की युगलपीठ ने मामले में एसडीओं विजयराघवगढ़, नायब तहसीलदार व नगर परिषद विजयराघवगढ़ को नोटिस जारी करने के निर्देश दिये है। इसके साथ ही याचिकाकर्ता को निर्देशित किया है वह स्थानीय अखबारों में उक्त संबंध में नोटिस का प्रकाशन कराये, ताकि जो भी अतिक्रमणकारी अपना पक्ष रखना चाहे वह इस न्यायालय में आ सकें। युगलपीठ ने मामले की अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद निर्धारित की है। यह जनहित याचिका विजयराघवगढ़ निवासी धीरज प्रसाद साहू की ओर से दायर की गई है। जिनकी ओर से अधिवक्ता उत्कर्ष अग्रवाल ने पक्ष रखा। जिन्होंने न्यायालय को बताया कि विजयराघगढ़ क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अतिक्रमणकारियों ने निर्माण कर कब्जा कर रखा है। उक्त मामले को पूर्व में एक याचिका दायर हुई थी। जिसके बाद अतिक्रमणकारियों को चिन्हित किया गया था। जिनमें से कई अतिक्रमणकारियों ने अपने कब्जें हटा लिये थे, जिनमें आवेदक भी शामिल था, लेकिन उसके बाद पूरी कार्रवाई को ठंडे बस्तें में डाल दिया गया, जिसका नतीजा ये हुआ कि दर्जनों अतिक्रमणकारी आज भी काबिज है। मामले में प्रमुख सचिव नगरीय प्रशासन विभाग, कलेक्टर कटनी, एसडीओं, नायब तहसीलदार व नगर परिषद विजयराघवगढ़ को पक्षकार बनाया गया है। सुनवाई पश्चात् न्यायालय ने उक्त निर्देश देते हुए अनावेदकों से जवाब तलब किया है।

काम संतोषजनक नहीं होने पर प्रतिनियुक्ति समाप्ति का आदेश बरकरार

मप्र हाईकोर्ट के जस्टिस विशाल धगट की एकलपीठ ने ब्लाक एकेडमिक को-आर्डिनेटर की प्रतिनियुक्ति समाप्त करने के कलेक्टर के आदेश को वैध ठहराते हुए याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत कर्मचारी को संबंधित पद पर बने रहने का कोई वैधानिक अधिकार नहीं है।याचिकाकर्ता जबलपुर निवासी मिडिल स्कूल के हेड मास्टर ओमप्रकाश सिंह की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कैलाश चंद्र घिल्डियाल के साथ अधिवक्ता कर्णिक सिंह ने पक्ष रखा। राज्य शासन की ओर से शासकीय अधिवक्ता वेद प्रकाश तिवारी उपस्थित हुए। याचिका में 28 अप्रैलए 2026 के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसके तहत याचिकाकर्ता की प्रतिनियुक्ति समाप्त कर उन्हें मूल विभाग भेज दिया गया था। याचिकाकर्ता का तर्क था कि कलेक्टर ने 16 अप्रैल 2026 की बैठक का गलत आधार लेकर आदेश पारित किया, जबकि उस बैठक में कार्य प्रगति पर चर्चा ही नहीं हुई थी।

एक नजर में

कमाई का झांसा देकर 1.69 हड़पे

नवभारत, जबलपुर । अधारताल थाना अंतर्गत महाकौशल नगर निवासी युवक को कमाई का झांसा देकर साइबर ठग ने 1.69 लाख रूपए की चपत लगा दी। पुलिस के मुताबिक शुक्रवार को विकास कुमार सिंह 34 वर्ष निवासी महाकौशल नगर अधारताल ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसके मोबाइल पर अज्ञात व्यक्ति द्वारा व्हाटसएप्प कॉल आया जिसमें पार्ट टाईम जॉब करने पर अच्छी कमाई का झांसा दिया गया। टेलीग्राम ग्रुप में ज्वाइन किया गया । कुल 1 लाख 69 हजार 798 रूपये अलग अलग किस्तों में जमा कराकर उसके साथ धोखाधड़ी की गई।

सीढ़ी से गिरी महिला की मौत

नवभारत, जबलपुर। पनागर थाना अंतर्गत मुड़िया में झाड़ू लगाते समय सीढी से गिरने से आई चोट के कारण महिला की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक मेडिकल कॉलेज से सूचना मिली कि शुक्रवार दोपहर में कामतेरी बाई ठाकुर 60 वर्ष निवासी ग्राम मुड़िया पनागर को घर में झाड़ू लगाते समय सीढ़ी से गिरने से चोट आने के कारण पुत्र देवेन्द्र ठाकुर द्वारा लाया गया था जिसे डाक्टर ने परीक्षण उपरांत मृत घोषित कर दिय सूचना पर मर्ग कायम कर जांच में लिया गया।

वैन रोक किया पथराव, महिला घायल

जबलपुर। मझौली थाना अंतर्गत पठरा-सिमरिया तिराहा के पास बदमाश ने एक वैन को रोक लिया और शराब पीने के लिए रूपए की मांग करने लगा। मना करने पर पथराव कर दिया। हमले में महिला घायल हो गई। पुलिस ने रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक शुक्रवार को त्रिलोक सिंह ठाकुर 50 वर्ष निवासी ग्राम पठरा ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि सुबह लगभग 9-30 बजे पत्नी मंजू बाई, परिवार के सुखेन्द्र ठाकुर के साथ ग्राम गुर्दा पिपरिया निवासी रवि कुमार पटैल की ओमनी वेन से गमी कार्यक्रम में शामिल होने के लिये ग्राम माल्हा बम्होरी जा रहे थे पठरा-सिमरिया तिराहा के पास पहुॅचे तभी ग्राम सिमरिया निवासी लखन उर्फलखानी कोल रोड के बीच में गाड़ी के सामने खड़ा हो गया जिससे ड्रायवर रविकुमार पटैल ने गाड़ी रोक दिया तभी वह गाड़ी से नीचे उतरा जो लखन उर्फ लखानी कोल उसके साथ विवाद करने लगा, शराब पीने के लिये 500 रूपये मांगने लगा, रूपये देने से मना करने पर लखन ने पत्थर उठाकर ओमनी वेन के कांच में मारकर तोड़ दिया उसकी पत्नी मंजू बाई ठाकुर वेन से उतरकर बीच बचाव करने लगी तो पत्थर से उसकी पत्नी के वायें हाथ की कोहनी के पास चोट पहुॅचा दी तथा जान से मारने की धमकी देते हुये भाग गया।

नोटों की हथकड़ी लेकर पहुंचे लोकायुक्त

नवभारत,जबलपुर। भ्रष्टाचार मामले को लेकर मध्य भारत मोर्चा के सदस्य बड़ी मात्रा में नोटो की हथकड़ी लेकर लोकायुक्त कार्यालय पहुंचे और महानिदेश भोपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। मोर्चा अध्यक्ष सौरभ यादव ने कहा कि नागरिक आपूर्ति निगम के जिला प्रबन्धक संजय सिंह को लोकायुक्त द्वारा 2022 में 60 हजार की रिश्वत लेते पकड़ा गया था पर अब चार वर्ष हो जाने के बावजूद भी उनके अभियोजन की स्वीकृति नहीं हुई ओर न ही न्यायालय में चालान पेश किया गया मोर्चा के सदस्य प्रतीकात्मक रूप में नोटो की हथकड़ी लेकर पहुंचे थे ताकि कारवाही शीघ्र हो सके। इस दौरान मोर्चा अध्यक्ष सौरभ यादव, दिलीप विश्वकर्मा, नरेश, अमित, रोहित भोजक, राजा , पल्लव शुक्ला , फैज़ल, निहाल यादव, सोनू साहू, राहुल तिवारी, सात्विकभोजक, आमिर,समीर,आसिफ,हर्ष वर्मा, आकाश ,एजाज , आदि सदस्य उपस्थित थे।

अनियंत्रित ऑटो डिवाइडर से टकराया, युवक की मौत

नवभारत,जबलपुर। पनागर तहसील कार्यालय के पास एक तेज रफ्तार ऑटो अनियंत्रित होकर सड़क के बीच बने डिवाइडर से टकरा गया। दुर्घटना में ऑटो सवार एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसकी मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान मौत हो गई।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, गढ़ा के मुजावर मोहल्ला निवासी इमरान अली (45) किसी काम से पनागर आया था। पनागर तहसील के पास उनका ऑटो अचानक संतुलन खो बैठा और सीधे डिवाइडर से जा भिड़ा। टक्कर इतनी जोरदार थी कि इमरान ऑटो से छिटककर सड़क पर गिर गए, जिससे उनके सिर और छाती में गंभीर चोटें आईं।आसपास के लोगों और राहगीरों की मदद से घायल इमरान अली को तुरंत इलाज के लिए नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज जबलपुर रेफर किया गया। अस्पताल में डॉक्टर ने बारीकी से परीक्षण करने के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। अस्पताल प्रबंधन की सूचना पर पनागर पुलिस ने मर्ग दर्ज कर लिया है।

शवदाह करने वाले कर्मचारी के घर में निकला सात फीट लंबा सांप

नवभारत,जबलपुर। गढ़ा थानांतर्गत चौहानी मुक्ति धाम के परिसर में बने कच्चे खपरैल मकान में रहने वाले शवदाह कर्मचारी राम लाल डुमार के शयन कक्ष में सांयकाल साढ़े चार बजे एक सात फीट लंबा सांप प्रवेश कर गया। जिसके कारण वहां अफरातफरी मच गई। राम लाल के पुत्र सचिन की सूचना पर पहुंचे सर्प विशेषज्ञ गजेन्द्र दुबे ने रैस्क्यू करते हुए सांप को पकड़कर जंगल में छोड़ दिया। पकड़ा गया सांप धामन प्रजाति का है जो कि जहरीला नहीं होता है। ज्ञात हो कि विगत दो माह में

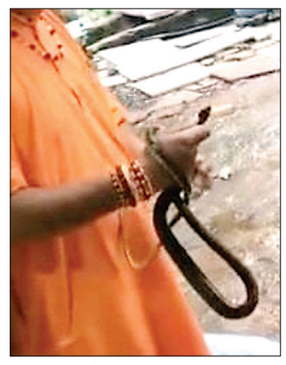

कर्मचारी के घर सर्प प्रवेश की ये चौथी घटना है। निगम प्रशासन को इस ओर ध्यान देना जरूरी है।

बैंक डकैती : 4 राज्यों से फरार था डकैत सुनील, 8 दिन की पुलिस रिमांड पर

नवभारत,जबलपुर। खितौला अंतर्गत ईसाफ स्मॉल फाईनेंस बैंक में हुई अंतर्राज्यीय बैंक डकैती मामले में गिरफ्तार डकैत सुनील पासवान पिता नरेश पासवान 38 वर्ष निवासी ग्राम बनाही आमस जिला गया बिहार और डकैती का माल रखने वाले चंचल पासवान पिता ननकू पासवान 38 वर्ष निवासी गुरूवा हब्बीपुर थाना गुरूवा जिला गया बिहार को पुलिस ने कोर्ट में पेश किया जहां से डकैत को आठ दिन तो उसके साथी को दो दिन की रिमांड पर लिया है। पकड़े गए डकैत सुनील के खिलाफ अगल अलग राज्यों में पूर्व से लूट एवं डकैती के 9 गम्भीर अपराध दर्ज हैं और वे मध्यप्रदेश के जबलपुर , झारखण्ड, छत्तीसगढ एवं बिहार राज्य से बैंक डकैती के अलग-अलग मामलों

में फरार चल रहा था जिसकी गिरफ्तारी में जबलपुर पुलिस को बडी सफलता हाथ लगी है। विवाद हो कि खितौला अंतर्गत ईसाफ स्मॉल फाईनेंस बैंक में 11 अगस्त 2025 को डकैती पड़ी थी। जिसमें 14 किलो 800 ग्राम सोने के जेवरात और लगभग 5 लाख रुपए डकैत लूट कर ले गए थे। अंतर्राज्यीय बैंक डकैती के सरगना और उसके अन्य 10 साथियों को पूर्व में तकनीकी सहायता से बिहार एवं मध्यप्रदेश से पूर्व में गिरफ्तार कर 3 किलो से अधिक सोना जब्त किया जा चुका है। अब दो और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और गिरफ्तार किए गए आरोपियों की संख्या 13 हो गई है।

ऐसे चढ़े हत्थे

क्राइम एएसपी जितेन्द्र सिंह, डीएसपी क्राईम उदयभान बागरी, उप पुलिस अधीक्षक सायबर सेल अंजुल अयंक मिश्रा के मार्गदर्शन में अपराध डीएसपी शैलेष मिश्रा, खितौला थाना प्रभारी रमन सिंह मरकाम के नेतृत्व में विशेष टीमे गठित की गई । टीम जिला गया बिहार रवाना हुई । डकैत सुनील पासवान के तिलैया गॉव में एक मकान में किराये से रहने की जानकारी मिली । जिसके बाद एसटीएफ बिहार से सम्पर्क कर क्राईम ब्रांच जबलपुर की टीम को मदद करने तैयार किया गया। एसटीएफ बिहार के निरीक्षक दीपक कुमार एवं उनकी टीम सहयोग करते हुये दबिश में शामिल हुई। डकैत सुनील पासवान को तिलैया गॉव के एक घर से गिरफ्तार किया गया । चंचल पासवान को भी दबोचा गया।

डेढ किलो गोल्ड का रहा हिस्सेदार, 750 ग्राम की जब्ती, सवा करोड़ का सोना सुनारों को बेचा

डकैत सुनील पासवान को पुलिस ने तिलैया गॉव के एक घर से गिरफ्तार किया है जिसने पूछताछ करने पर खितौला स्थित बैंक में डकैती की घटना करना स्वीकार करते हुये बताया कि उसे हिस्से में डेढ किलो सोने के जेवरात बैंक डकैती के हिस्से से मिला था जिसका आधा सोना लगभग 750 ग्राम अपने परिचित चंचल पासवान निवासी गुरूवा को 45 लाख रूपये में बेचा है। सुनील पासवान की निशादेही पर चंचल पासवान निवासी गुरूवा को अभिरक्षा मे लेकर पूछताछ की गयी जिसके द्वारा 750 ग्राम सोना मनोज सोनी के पास सुरक्षार्थ रखना बताया, जिसे जप्त किया गया है।आरोपी सुनील द्वारा शेष 750 ग्राम सोना सवा करोड़ रुपए का दो अलग अलग सुनार को बेचना बताया है।

दिनभर जलती स्ट्रीट लाइटें बिजली की हो रही बर्बादी

जबलपुर। शहर के विजय नगर, नेपियर टाउन जैसे कई क्षेत्रों में दिन के उजाले में भी स्ट्रीट लाइटें लगातार जलती रहीं। जिससे बिजली की अनावश्यक बर्बादी हो रही है। नागरिकों का कहना है कि तेज धूप होने के बावजूद घंटों तक स्ट्रीट लाइटें चालू रहने से सरकारी राजस्व पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है और ऊर्जा संरक्षण के दावों पर भी सवाल खड़े होते हैं। ऐसे मामलों की शिकायतें देश के कई शहरों में भी सामने आती रही हैं। लोगो ने नगर निगम और संबंधित विद्युत विभाग से मांग की है कि स्ट्रीट लाइटों के ऑटोमैटिक टाइमर एवं सेंसर सिस्टम की नियमित जांच कराई जाए, ताकि दिन में लाइटें जलने जैसी लापरवाही पर रोक लग सके। लोगों का कहना है कि समय पर निगरानी और रखरखाव से बिजली की बचत के साथ सरकारी खर्च में भी कमी लाई जा सकती है।

रेल कर्मचारी को चूहे ने काटा

जबलपुर। इंदौर से जबलपुर आ रही ओवरनाइट एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या 22191) में शुक्रवार सुबह एक चौंकाने वाली घटना सामने आई।

पावर कार में ड्यूटी पर तैनात जबलपुर के टेक्नीशियन (इलेक्ट्रिकल) अनिल कुमार कुशवाहा आराम कर रहे थे, तभी एक बड़े चूहे ने उनकी उंगली काट ली, जिससे खून निकलने लगा। घटना के बाद उन्होंने साथियों को इसकी जानकारी दी और ड्यूटी पूरी होने के बाद रेलवे अस्पताल पहुंचकर उपचार कराया, जहां डॉक्टरों ने टीटी का इंजेक्शन लगाकर मरहम-पट्टी की। रेल कर्मचारियों का कहना है कि ट्रेनों में चूहों और कॉकरोचों की समस्या लगातार बनी हुई है, जिससे यात्रियों के साथ-साथ ड्यूटी पर तैनात कर्मचारी भी परेशान हैं। कर्मचारियों का आरोप है कि चूहों की रोकथाम और सफाई पर लाखों रुपये खर्च किए जाने के बावजूद स्थिति में सुधार नहीं हो रहा है। उनका कहना है कि पावर कार में चूहों को रोकने के लिए आवश्यक सुरक्षा इंतजाम, जैसे माउस पैड या पिंजरे, भी उपलब्ध नहीं हैं, जिससे ऐसी घटनाओं का खतरा बना रहता है।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र के पूर्व मैनेजर ने किया 6 लाख का गबन

जबलपुर ईओडब्ल्यू ने दर्ज की एफआईआर

नवभारत, जबलपुर। आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) ने बैंक ऑफ महाराष्ट्र की बेनीखेड़ा शाखा के तत्कालीन शाखा प्रबंधक (ब्रांच मैनेजर) प्रीतम कुमार बेहरा के खिलाफ धोखाधड़ी और 6 लाख से अधिक के गबन का मामला दर्ज किया है। आरोपी मैनेजर ने अपनी कुर्सी और रसूख का दुरुपयोग कर न केवल बैंक को चूना लगाया, बल्कि गरीबों और स्वयं सहायता समूहों के पैसों पर भी डाका डाला। आरोपी के खिलाफ ईओडब्ल्यू जबलपुर में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। ईओडब्ल्यू की आधिकारिक जांच में यह बात सामने आई है कि आरोपी मैनेजर प्रीतम कुमार बेहरा ने 14 दिसंबर 2024 से 7 फरवरी 2025 के बीच इस पूरे घोटाले को अंजाम दिया। शातिर मैनेजर ने अपने ही बैंक के अधीनस्थ कर्मचारियों अक्षत जैन और उमंग चतुरकर की कंप्यूटर लॉगिन आईडी और पासवर्ड का गलत इस्तेमाल किया। इसके बाद, उसने बैंक के 9 अलग-अलग स्वयं सहायता समूहों, बीमा और ऋण खातों से कुल 4,21,108 की राशि अवैध रूप से अपनी पत्नी मोनालीसा बेहरा के खाते में ट्रांसफर कर दी।

लोक अदालत की रिकवरी भी डकारी

आरोपी मैनेजर की जालसाजी का सिलसिला यहीं नहीं थमा। उसने बैंक में काम करने वाले एक आउटसोर्स कर्मचारी मनोज कुमार चक्रवर्ती के नाम पर फर्जी तरीके से खाता खुलवाया। इसके बाद उसके एटीएम और मोबाइल बैंकिंग क्रेडेंशियल्स का अनधिकृत इस्तेमाल कर 1,43,480 खुद निकाल लिए। हद तो तब हो गई जब लोक अदालत के दौरान 4 एनपीए डिफॉल्टर्स से रिकवरी एजेंट के माध्यम से वसूल की गई 38,000 की नकद राशि को भी आरोपी मैनेजर ने बैंक में जमा करने के बजाय सीधे अपनी जेब में रख लिया।

ऑडिट में खुली पोल वाउचर भी मिले गायब

इस बड़े फर्जीवाड़े की भनक लगते ही बैंक ऑफ महाराष्ट्र के जबलपुर अंचल कार्यालय के क्षेत्रीय प्रबंधक गोविंद सिंह ठाकुर ने मामले की लिखित शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद भोपाल मुख्यालय के निर्देश पर ईओडब्ल्यू की निरीक्षक भुवनेश्वरी चौहान को मामले की जांच सौंपी गई। जब टीम ने बैंक के दस्तावेजों और कंप्यूटर सिस्टम को खंगाला, तो पता चला कि बिना ग्राहकों की जानकारी के कई अनधिकृत ट्रांजैक्शन किए गए थे, जिनके मुख्य वाउचर भी बैंक रिकॉर्ड से गायब कर दिए गए थे।

ओडिशा का है आरोपी

ईओडब्ल्यू के मुताबिक, आरोपी प्रीतम कुमार बेहरा मूल रूप से पुरी (ओडिशा) का रहने वाला है, जो वर्तमान में जबलपुर के गढ़ा स्थित इंदिरा गांधी वार्ड में मकान नंबर 623 में रह रहा था।

जीआरपी का नशामुक्ति अभियान, पान-बीड़ी दुकानों पर पहुंचकर किया जागरूक

जबलपुर। मध्यप्रदेश पुलिस के 'नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0' विशेष जनजागरूकता अभियान के तहत शुक्रवार को थाना जीआरपी जबलपुर की टीम ने सर्किट हाउस क्रमांक-2 के समीप स्थित पान, चाय-नाश्ता तथा बीड़ी-सिगरेट की दुकानों पर पहुंचकर दुकानदारों, कर्मचारियों, यात्रियों और आम नागरिकों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया। पुलिस ने बताया कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, परिवार, सामाजिक जीवन और भविष्य पर गंभीर दुष्प्रभाव डालता है तथा अपराध, सड़क दुर्घटनाओं और अन्य सामाजिक बुराइयों का प्रमुख कारण भी बनता है।

जीआरपी को सूचित करे

अभियान के दौरान लोगों को नशे से दूर रहने, स्वयं नशा न करने और अपने परिवार व समाज को भी नशामुक्त बनाने का संकल्प दिलाया गया। साथ ही अपील की गई कि यदि कहीं भी अवैध मादक पदार्थों का सेवन या तस्करी की जानकारी मिले तो तत्काल पुलिस को सूचित करें। इस जनजागरूकता अभियान में प्रधान आरक्षक सत्येंद्र सिंह, शकील सिद्दीकी, ललिता दसरिया तथा आरक्षक मनीषा और गोपाल ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

बदहाली भंवरताल और टैगोर गार्डन में एक जैसी खामियां

शहर के गार्डन बदहाल, मूलभूत सुविधाएं नदारद

नवभारत , जबलपुर । भंवरताल और टैगोर गार्डन शहर के प्रमुख सार्वजनिक उद्यान हैं,यहाँ प्रतिदिन सैकड़ों लोग मॉर्निंग वॉक, व्यायाम और मनोरंजन के लिए पहुंचते हैं। नवभारत की टीम ने जब इन उद्यानों का जायज़ा लिया जिसमें कई खामियां देखने मिली ,कई जगह मूलभूत सुविधाएं खराब मिलीं, वहीं कुछ कमियां सीधे तौर पर लोगों की सुरक्षा से जुड़ी हुई दिखाई दीं।

रखरखाव की कमी से सुविधाएं और सुरक्षा दोनों प्रभावित

भंवरताल और टैगोर गार्डन के निरीक्षण के दौरान कई कमियां एक साथ देखने को मिलीं। महिला और पुरुष शौचालयों में टूटे नल, कहीं लगातार बहता पानी और साफ-सफाई की कमी नजर आई। कई स्थानों पर बारिश के कारण काई जमने से रास्ते फिसलन भरे मिले, वहीं कुछ स्ट्रीट लाइटें बंद होने से सुरक्षा को लेकर भी चिंता का विषय बना । टैगोर और भंवरताल गार्डन के ओपन जिम में कुछ उपकरणों के नट-बोल्ट ढीले पाए गए, कई मशीनों में ग्रीसिंग और ऑयलिंग का अभाव था, टैगोर गार्डन के एक ओपन जिम के उपकरण में पैडल टूटा हुआ मिला।

इनका कहना है

अपने बच्चों के साथ हम अक्सर टैगोर गार्डन आते हैं । यहां हर उम्र के लोग आते हैं, खासकर बच्चे और बुजुर्ग। ऐसे में अगर जिम के उपकरण खराब हों, नट-बोल्ट ढीले हों या पैडल टूटा हो, तो हादसे का खतरा बढ़ जाता है।

सुरेंद्र कुमार
उद्यान प्रेमी